प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2026-27

विषय - हिन्दी 'आधार' (101)

कक्षा- XII

समय - 3 घंटे — पूर्णांक- 80

नोट :

(i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 07 मुद्रित पृष्ठ हैं।

(ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर लिखें।

(iii) कृपया जाँध कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 12 प्रश्न हैं।

(iv) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

(v) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाहन में 10:15 ब किया जाएगा। पूर्वाहन में 10:15 से 10:30 बजे तक छात्र प्रश्न-पत्र को केवल पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरा वे उत्तर-पुस्तिका में कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

(vi) प्रश्न-पत्र को तीन खंडों में विभाजित किया गया है खंड 'क', खंड 'ख'और खंड 'ग'। सभी प्रश अनिवार्य हैं।

(vii) यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(viii) खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ix) खंड 'ख' में पाठ्यपुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए हैं।

(x) खंड - 'ग' में पाठ्यपुस्तक' आरोह' तथा 'वितान' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए

(xi) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड-क (अपठित बोध) — 18 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 10

फ्रैंकलिन का प्रसिद्ध कथन है - 'वक्त को बरबाद न करो क्योंकि जीवन इसी से बना है।' समय ही जीवन है। जो अवसरों और संभावनाओं से भरा हुआ है। जो बुद्धिमानी से इसका उपयोग करते हैं, वे सफलता की नींव रखते हैं, जबकि समय को व्यर्थ करने वाले अधूरे कार्यों और अपूर्ण लक्ष्यों के साथ रह जाते हैं। शास्त्रों में कहा गया है, 'एक-एक पैसे को जोड़कर कोई धनी बनता है, और एक-एक क्षण का उपयोग करके कोई विद्वान ।' समय वास्तव में सीमित संसाधन है। जब हम किसी एक चीज के लिए 'हाँ' कहते हैं, तो किसी दूसरी चीज के लिए 'ना' कह रहे होते हैं।

प्राचीन ज्ञान भी यही सिखाता है। अवसर को समय रहते पहचानो और उसका सदुपयोग करो। मानव जीवन एक दुर्लभ उपहार है। यही जीवन हमें विवेक देता है, जो लाभकारी और सुखद के बीच अंतर करने में सक्षम बनाता है। इसलिए हर क्षण का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। जैसे विद्यार्थी परीक्षा के आने के ठीक पहले समय को अच्छी तरह समझकर पूरी निष्ठा से पढ़ाई करते हैं, वैसे ही हमें भी जीवन के हर क्षण को उद्देश्यपूर्ण बनाना चाहिए। हम अकसर कहते हैं, 'काश मेरे पास और समय होता।' यह सोच हमें थकान और असंतोष की ओर ले जाती है। साथ ही, हम एक तरह की नकारात्मकता से घिर जाते हैं। सच यह है कि हम सबको समान 24 घंटे मिलते हैं। फ़र्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि हम उनका उपयोग कैसे करते हैं।

विद्वानों ने सिखाया कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जो अपने समय को केवल सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यों में निवेश करते हैं। प्रकृति हमें हर दिन समय का समान उपहार देती है। समय की कद्र कीजिए, घड़ी की सूइयों की फुसफुसाहट को सुनिए और उसके संकेतों को समझिए। जो लोग हर क्षण को सार्थक बनाते हैं, वे ही जीवन में संतोष और सफलता का सच्चा संतुलन पाते हैं।

(i) 'समय ही जीवन है' - से क्या अभिप्राय है? 1

(A) समय से ही जीवन बना है

(B) समय के अधीन जीवन है

(C) जीवन के अधीन जीवन है

(D) समय के साथ ही जीवन बढ़ता है

(ii) 'काश मेरे पास और समय होता।' ऐसी सोच किस प्रकार के व्यक्तियों की होती है ? 1

(A) अकर्मण्य और आलसी लोगों की

(B) भाग्यवादी लोगों की

(C) समय की कद्र करने वालों की

(D) परिश्रमी लोगों की

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए : 1

कथन: समय के सदुपयोग का सफलता से गहरा नाता है।

कारण: सफलता उन्हीं को मिलती है, जो अपने समय को सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यों में निवेश करते हैं।

विकल्प :

(A) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।

(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(C) कथन गलत है और कारण सही है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) सीमित संसाधन किसे कहा गया है ? 1

(v) समय को हमें व्यर्थ क्यों नहीं गँवाना चाहिए ? 2

(vi) पूरी निष्ठा से पढ़ाई करने से क्या अभिप्राय है ? 2

(vii) उपर्युक्त गदयांश की विषयवस्तु पर टिप्पणी कीजिए। 2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8

ले चल माँझी मझधार मुझे, दे-दे बस अब पतवार मुझे
इन लहरों के टकराने पर आता रह - रह कर प्यार मुझे ।
मत रोक मुझे भयभीत न कर , मैं सदा कंटीली राह चला ।
पथ - पथ मेरे पतझारों में नव सुरभि भरा मधुमास पला ।
फिर कहाँ डरा पाएगा यह पगले जर्जर संसार मुझे ।
इन लहरों के टकराने पर , आता रह - रह कर प्यार मुझे ।
मैं हूँ अपने मन का राजा , इस पार रहूँ उस पार चलूँ ।
मैं मस्त खिलाड़ी हूँ ऐसा जी चाहे जीतें हार चलूँ ।
मैं हूँ अबाध , अविराम , अथक , बंधन मुझको स्वीकार नहीं ।
मैं नहीं अरे ऐसा राही , जो बेबस - सा मार चलें
कब रोक सकी मुझको चितवन , मदमाते कजरारे घन
कब लुभा सकी मुझको बरबस , मधु - मस्त फुहारें सावन की ।
जो मचल उठे अनजाने ही अरमान नहीं मेरे ऐसे
राहों को समझा लेता हूँ सब बात सदा अपने मन की
इन उठती - गिरती लहरों का कर लेने दो श्रृंगार मुझे ,
इन लहरों के टकराने पर आता रह - रह कर प्यार मुझे

(i) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने 'माँझी' कहकर किसे संबोधित किया है ? 1

(A) मल्लाह को

(B) नदी पार करने वाले को

(C) जीवन में संघर्ष करने वाले को

(D) कविता पढ़ने वाले को

(ii) 'सदा कंटीली राह चला' – पंक्ति में 'कंटीली राह' से क्या अभिप्राय है ? 1

(A) काँटों से भरे रास्ते

(B) ऊबड़-खाबड़ रास्ते

(C) सुरक्षित रास्ते

(D) कठिनाई भरे रास्ते

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प चुनिए : 1

कथन: कवि को किसी भी प्रकार का बंधन स्वीकार नहीं है।

कारण: वह कँटीले राह पर चलना नहीं चाहता।

विकल्प :

(A) कथन सही है, और कारण गलत है।

(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(C) कथन गलत है और कारण सही है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं।

(iv) कवि के अरमान किस तरह के हैं ? 1

(v) 'इन उठती - गिरती लहरों का कर लेने दो श्रृंगार मुझे' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

(vi) लहरों के टकराने से क्या अभिप्राय है ? 2

खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम) 22 अंक

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
(6X1=6)

(क) सोशल मीडिया से बाहर की दुनिया
(ख) आत्मनिर्भर भारत
(ग) चुनावों को लेकर कितने जागरूक हैं युवा?

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :
(2X4=8)

(क) रेडियो समाचार लेखन के लिए किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?
(ख) टी.वी. खबरों में एंकर-बाइट का क्या महत्त्व है ?
(ग) अप्रत्याशित लेखन से आप क्या समझते हैं ?
(घ) फ़ीचर लेखन किसे कहते हैं ?

(ङ) समाचार-पत्रों में विशेष लेखन का क्या क्षेत्र है ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए : (4X2=8)

(क) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

(ख) उलटा पिरामिड शैली से क्या अभिप्राय है और इसका विकास कैसे हुआ?

(ग) रेडियो नाटक की कहानी का लेखन या चयन करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

खंड-ग

40 अंक

(आरोह भाग-1 और वितान भाग-1 पाठ्य पुस्तकों पर आधारित)

6. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (1X5=5)

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी ?'
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबै पै, राम ! रावरें कृपा करी ।
दारिद दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु !
दुरित दहन देखि तुलसी हहा करी

(i) प्रकृति और शासन की विषमता का क्या कारण है?

(A) दैवीय कोप से ग्रस्त हैं।

(B) उनमें देशभक्ति की भावना नहीं है।

(C) लोग आजीविका विहीन हैं।

(D) लोगों में आलस्य भरा है।

(ii) कवि ने दरिद्रता की तुलना किससे की है ?

(A) मृत्यु से

(B) रावण से

(C) अंधकार से

(D) श्रीराम से

(iii) कवि को इस दुर्व्यवस्था में किसका भरोसा है ?

(A) श्रीराम का

(B) शासन का

(C) इंद्र का

(D) भाग्य का

(iv) कवि ने वेद, पुराण आदि ग्रंथों का उल्लेख किया है-

(A) ज्ञान-प्राप्ति को प्रेरित करने के लिए

(B) अपनी बात को सही बताने के लिए

(C) श्रीराम की भक्ति का प्रमाण देने के लिए

(D) गरीबी की भयावहता दर्शाने के लिए।

(v) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन : बेरोजगारी के कारण व्यक्ति दुखी एवं चिंतित है।

कारण : भगवान राम सब पर कृपा करते हैं।

(A) कथन सही और कारण गलत है।

(B) कथन गलत और कारण सही है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं।

(D) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : (3X2=6)

(i) फ़िराक की रुबाइयों में माँ अपने बच्चे को किस तरह से तैयार करती है?

(ii) "विप्लव रव से छोटे ही शोभा पाते" - पंक्ति में क्या अर्थ निहित है?

(iii) 'कैमरे में बंद' अपाहिज कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए की कविता संवेदनहीन सूचना तंत्र पर एक व्यंग्य है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए : (2X2=4)

(i) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने खेत को रस का अक्षय पात्र क्यों कहा है?

(ii) शमशेर बहादुर की कविता 'उषा' में कवि ने सुबह के आसमान की सुंदरता का वर्णन किस प्रकार किया है? किन्हीं दो उदाहरणों का उल्लेख कीजिए।

(iii) 'बात सीधी थी पर' कविता में भाषा को सहूलियत से बरतने की बात क्यों की गई है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (1X5=5)

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण, जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

(i) लेखक किसे श्रम-विभाजन का स्वाभाविक आधार नहीं मानता ?

(A) जाति-प्रथा (B) कार्य-कुशलता

(C) प्रशिक्षण (D) सक्षमता

(ii) लेखक कुशल श्रमिक समाज के निर्माण के लिए किसे आवश्यक मानता है?

(A) पेशे को
(B) अर्थव्यवस्था को
(C) क्षमता को
(D) विचारधारा को

(iii) जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत किसे कहा गया है?

(A) कार्य के चुनाव की स्वतंत्रता
(B) रुचि के आधार पर कार्य का चुनाव
(C) जन्म से पूर्व ही पेशे का निर्धारण
(D) क्षमता का विकास

(iv) जाति के आधार पर श्रम-विभाजन करना गलत है, क्योंकि -

(A) यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है
(B) यह मनुष्य के प्रशिक्षण पर आधारित है
(C) यह व्यक्ति को व्यवसाय चुनने की आज़ादी देता है
(D) इससे परंपरागत उद्योग नष्ट हो रहे हैं

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन : जाति प्रथा को श्रम विभाजन का स्वाभाविक विभाजन नहीं माना जा सकता।

कारण : मनुष्य जातिगत पेशे में सिमट कर रह जाता है।

(A) कथन सही और कारण गलत है।
(B) कथन गलत और कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं।
(D) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : (3X2=6)

(i) 'पहलवान की ढोलक' किस प्रकार से दम तोड़ते ग्रामीणों को मृत्यु का सामना करने का हौसला देती है।" स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर बताइए कि बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने से मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है?

(iii) "भक्तिन अच्छी है पर उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं" - इस कथन के समर्थन में तीन तर्क दीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए : (2X2=4)

(i) डॉ. भीमराव आंबेडकर के मतानुसार दासता की व्यापक परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

(ii) शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों कहा गया है?

(iii) 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : (2X5=10)

(i) यशोधर बाबू आत्मीय और पारिवारिक जीवन शैली के समर्थक हैं, कैसे? 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए

(ii) कविता के प्रति लगाव के बाद लेखक की अकेलेपन को लेकर धारणा क्यों बदल गई 'जूझ 'पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(iii) "सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य है, जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था।" ऐसा क्यों कहा गया?